अलवर और अजमेर पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली

पासपोर्ट कार्यालयों को खाली करवाकर बम निरोधक दस्ते और अन्य एजेंसियों ने जांच की

अलवर/अजमेर, (निसं)। अलवर में पासपोर्ट कार्यायलको एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अफरा-तफरी मच गई। धमकी भरे संदेश में दोपहर दो बजे ब्लास्ट होने की बात लिखी गई, जिसके बाद पुलिस ने एहतियातन सभी कर्मचारियों और आम लोगों को तुरंत बाहर निकाल दिया। मौके पर सुरक्षा एजेंसियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया और पूरे क्षेत्र को घेर लिया।

जानकारी के अनुसार अलवर पासपोर्ट ऑफिस को इस महीने में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले भी दो बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे ऑफिस को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस ने मुख्य गेट को बंद कर किसी भी व्यक्ति की एंट्री पर रोक लगा दी। बताया जा रहा है कि इस हफ्ते में यह दूसरी बार है, जब इस तरह की धमकी मिली है। ई-मेल के जरिए भेजी गई इस धमकी में राजस्थान के कई पासपोर्ट कार्यालयों को निशाना बनाने की बात कही गई है। मेल में लिखा गया कि दोपहर दो बजे से पहले ऑफिस खाली कर दिया जाए, क्योंकि उसके बाद बम विस्फोट किया जाएगा। साथ ही धमकी देने वाले ने कर्नाटक की राजनीति से जुड़े किसी मुद्दे का भी जिक्र किया है।

भरतपुर में करोड़ों की ठगी मामले में

- **अलवर और अजमेर पासपोर्ट ऑफिस में तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस- प्रशासन ने राहत की सांस ली**
- **पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है और साइबर टीम की मदद से मामले की गहन जांच की जा रही है**

इस दौरान पासपोर्ट ऑफिस के बाहर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जो अपने काम के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने सभी लोगों को गेट के बाहर ही रोक दिया और स्थिति सामान्य होने तक इंतजार करने के लिए कहा।

कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने बताया कि फिलहाल पूरे परिसर की बारीकी से जांच की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर फिलहाल ऑफिस का कामकाज भी रोक दिया गया है।

अजमेर संवाददाता के अनुसार :- पासपोर्ट मुख्यालय जयपुर के क्षेत्रीय कार्यालय (आरओ) को एक धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद अजमेर स्थित पासपोर्ट कार्यालय में हड़कंप मच गया। ई-मेल में कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद पूरे प्रशासनिक तंत्र में तत्काल सतर्कता बढ़ा दी गई।

कोतवाली सीआई अनिल देव ने बताया कि धमकी की सूचना मिलते ही अजमेर पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों ने बिना देर किए कोतवाली थाना पुलिस को अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अन्य सुरक्षा जांच एजेंसियों को भी तत्काल बुलाया गया। सुरक्षा के मद्देनजर सबसे पहले पासपोर्ट कार्यालय को खाली करवाया गया और वहां मौजूद कर्मचारियों व आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते और अन्य एजेंसियों द्वारा पूरे कार्यालय परिसर की बारीकी से जांच की गई। करीब लंबे समय तक चली तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। फिलहाल पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है और साइबर टीम की मदद से मामले की गहन जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर पांच लाख की ठगी

हनुमानगढ़, (निसं)। भादरा थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर ठगी का एक मामला सामने आया है। एक युवक से विवाह के नाम पर लगभग पांच लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर हड़प लिए गए। बाद में महिला घर से नकदी और जेवर लेकर फरार हो गई। पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को रासलाना निवासी वीर सिंह ने शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 में जयवीर और उसके पिता बलवंत सहू, जो नुवा, गोगामेड़ी के निवासी हैं, ने उनकी शादी कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने भादरा निवासी स्वाती नामक युवती से विवाह कराने के लिए खर्च और 3 लाख रुपए की शर्त रखी। आरोपियों ने रिश्तेदारी का हवाला देकर वीर सिंह का भरोसा जीता, जिस पर वह सहमत हो गए। शिकायत के मुताबिक, 26 जनवरी 2025 को आरोपी जयवीर और बलवंत एक युवती को लेकर रासलाना पहुंचे। परिवारजनों की मौजूदगी में स्वाती का विवाह वीर सिंह से करवा दिया गया। विवाह के बाद वीर सिंह ने स्वाती को सोने की चेन, चांदी की बिछिया और पायजेब दी। इसके अलावा 50 हजार रुपए खर्च के तौर पर और लगभग 2 लाख रुपए बिचौलिया शुल्क के रूप में आरोपियों को दिए गए।

पीड़ित वीर सिंह के अनुसार, शादी के बाद स्वाती उसकी पत्नी के रूप में रहने लगी और घर-परिवार संभालने का भरोसा दिलाया। हालांकि, 22 मार्च 2026 को जब परिवार के लोग खेत में काम करने गए हुए थे, तब घर पर केवल वीर सिंह की बुजुर्ग मां और स्वाती मौजूद थी। वीर सिंह ने आरोप लगाया कि इसी दौरान स्वाती उसकी मां के पास रखे लगभग 10 तोला सोने के जेवर और 2 लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गई। जब वीर सिंह ने जयवीर और बलवंत से संपर्क किया, तो उन्होंने धमकी दी कि यदि कोई कानूनी कार्रवाई की गई तो उसे झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। इसके बाद पीड़ित वीर सिंह ने भादरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। भादरा पुलिस ने परिवादी वीर सिंह की शिकायत पर जयवीर, बलवंत और स्वाती के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच एएसआई राजेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

मुंहबोली बहन से दुष्कर्म, दस दिन तक बंधक बनाया

श्रीगगानगर, (निसं)। महिला को काम के बहाने श्रीगंगानगर लेकर जाकर रेप करने का मामला सामने आया है। महिला को 10 दिन तक बंधक बनाकर भी रखा। महिला ने कहा कि आरोपी उसे मुंहबोली बहन कहता था और इसी का फायदा उठाकर उसे अपने साथ ले गया। आरोपी ने उसका फोन तोड़ दिया, जिसके कारण उसकी किसी से बात नहीं हो पाई। किसी तरह उसके हाथ आरोपी युवक का फोन लगा, तो उसने अपने पति को कॉल कर आपबीती बताई। इसके बाद पति, देवर और ससुर उसे लेने के लिए राजस्थान पहुंचे, लेकिन इससे पहले ही आरोपी श्रीगंगानगर में महिला को छोड़कर भाग गया। इसके बाद उसे यहां लाकर अस्पताल में मेडिकल के लिए दाखिल करवाया। वहीं पति ने कहा कि उसने पुलिस को गुमशुदगी की शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब फिर से उन्होंने पुलिस को शिकायत दी है।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एक गांव की रहने वाली 23 वर्षीय महिला अपने पति के साथ गांव में मजदूरी करती है और उसका एक बेटा भी है। महिला के अनुसार, गांव का ही मंगल सिंह नाम का युवक, जो किन्नू के बागों में काम करता है और उसे बहन कहता था, 23 मार्च को उसे मजदूरी के बहाने अपने साथ ले गया।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी उसे श्रीगंगानगर, जयपुर, बीकानेर और हरिद्वार ले गया। बाद में वह उसे वापस श्रीगंगानगर में अपने दोस्त प्रवीण के घर छोड़ गया। इस दौरान आरोपी ने लगातार उसके साथ मारपीट की और रेप किया। करीब 10 दिन तक बंधक बना कर रखा। महिला ने आरोप लगाया कि जाते समय आरोपी उसकी सोने की बाली और पायल भी अपने साथ ले गया और उसका फोन तोड़ दिया, ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके। करीब एक सप्ताह बाद आरोपी उसे अकेला छोड़कर फरार हो गया।

थाना खुहियां के प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि मामले की जांच लेडी इंस्पेक्टर परमिला और गुरदीप सिंह को सौंप दी गई है। पुलिस ने आरोपी मंगल सिंह के खिलाफ रेप का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामले में अन्य धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं।

बीकानेर से खाड़ी देशों को जाने वाला 100 कंटेनर माल का निर्यात ठप

बीकानेर, (निसं)। खाड़ी देशों में सालाना 50 हजार टन बीकानेरी भुजिया समेत अन्य आइटस जाते हैं, लेकिन युद्ध के कारण करीब 100 कंटेनर निर्यात ठप हो गया है। एक कंटेनर में 25 टन माल आता है। दुबई व अन्य देशों में कंटेनर फंस गए हैं। दुबई के क्रूज टर्मिनल पोर्ट राशिद बंदरगाह पर कंटेनर का किराया भी 120 डॉलर से बढ़कर 2200 डॉलर तक पहुंच गया है।

- **दुबई के क्रूज टर्मिनल पोर्ट राशिद बंदरगाह पर कंटेनर का किराया भी 120 डॉलर से बढ़कर 2200 डॉलर तक पहुंचा**
- **'हर महीने 15 से 20 कंटेनर भुजिया, पापड़ और नमकीन का एक्सपोर्ट होता है, जो फिलहाल बंद है'**

बीकाजी फूड के मैनेजर शंभुदयाल गुप्ता ने बताया कि हर महीने 15 से 20 कंटेनर भुजिया, पापड़ और नमकीन का एक्सपोर्ट होता है, जो फिलहाल बंद है। इसके अलावा अन्य देशों में हर महीने करीब 80 कंटेनर माल भेजा जाता है, वो भी अटका हुआ है। कुछ दिन ऐसे ही हालात रहे तो भुजिया, पापड़ की कीमतों में 3 रुपये प्रति किलो का उछाल आ सकता है। अभी नमकीन उत्पादन पर असर नहीं है।

वहीं, नोखा के प्रमुख एक्सपोर्टर राजेश कुमार झंवर ने बताया कि हमने 850 डॉलर में कंटेनर किराए पर लेकर जीरा, मेथी दाना, मूंगफली दाना इराक भेजे थे, लेकिन माल बीच में ही कहीं उतार दिया गया। अब शिपिंग कंपनी वॉर चार्ज के नाम पर 4 हजार डॉलर मांग रही है। युद्ध के कारण मिडिल ईस्ट में ऊन के कंटेनर अटक गए हैं।

ऊन व्यवसायी ऋषभ बोथरा ने बताया कि बीकानेर में 700-800 कंटेनर ऊन मीडिल ईस्ट से आता है। 11 मार्च को कुछ कंटेनर पहुंचे हैं, जो होर्मुज पर फंसे हुए थे। अभी भी काफी कंटेनर बीच में ही अटके हुए हैं। वॉर चार्ज के नाम पर शिपिंग कंपनियां काफी पैसा मांग रही हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध की वजह से बीकानेर का कारपेट उद्योग भी प्रभावित हुआ है।

महिला सुरक्षा, सायबर अपराध और नशे पर लगाम लगाने पर हमारा फोकस है : डीजीपी

बीकानेर, (निसं)। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने गुरूवार को अपने दो दिवसीय दौरे में अनेक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी निभाई। उन्होंने अश्व बल शाखा, सीसीटीएनएस ट्रेनिंग सेंटर, पुलिस लाइन का निरीक्षण किया और सभी कक्षों और संधारित दस्तावेजों का अवलोकन किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के साथ एडीजी क्राइम विपिन पांडे, आईजी ओमप्रकाश, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, एसपी मृदुल कच्छावा सहित अनेक पुलिस अधिकारी थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों, रिकॉर्ड्स और व्यवस्थाओं की गहन जांच की तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। डीजीपी ने पुलिस लाइन मेस और मोटर शाखा का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मेस में जवानों को मिलने वाली डाइट के बारे में पूछा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा वाहनों की उपलब्धता और आवश्यकताओं को लेकर भी जानकारी ली। इस अवसर पर पुलिस लाइन में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर का भी उद्घाटन किया गया।

- **पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने बीकानेर में पुलिस लाइन में मैस व मोटर शाखा का निरीक्षण किया**
- **पुलिस कार्मिकों के दफ्तर या थाने में व्यवहार को लेकर शिकायत आना बहुत गंभीर है : डीजीपी राजीव शर्मा**

डीजीपी राजीव शर्मा ने मेस में जवानों को मिलकर डाइट के बारे में पूछा।

मीडिया से बातचीत करते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने कहा कि पुलिस कार्मिकों के दफ्तर या थाने में व्यवहार को लेकर शिकायत आना बहुत गंभीर है। गलत व्यवहार जनता के साथ बर्दाश्त नहीं करेंगे। राजस्थान को पुलिसिंग में मॉडल स्टेट बनाना है। थाना पुलिसिंग की पहली इकाई है। थाने नागरिकों के अनुकूल हो। नागरिक, गरिमा और न्याय पहले थानों का आदर्श वाक्य होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पर फोकस किया जाएगा। इसके लिये स्कूल स्तर पर महिला सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज के बदलते दौर में तकनीक पुलिस की मजबूत साथी होगी। आधुनिक निगरानी प्रणाली को और प्रभावी करने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस सेवा को बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने का प्रयास होगा। डीजीपी ने शर्मा ने कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में जवानों की पदोन्नति के मामले में पेंडिंग चल रहे थे। उन जिलों के अधिकारियों को जल्द पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने के आदेश दिए। साथ ही पेंडेंसी कम करने के आदेश दिए। डीजीपी राजीव शर्मा ने राजस्थान पुलिस के हाल ही में किए डिकॉय ऑपरेशन पर कहा कि हर गलत चीज के प्रति हमारी कार्रवाई जारी रहेगी। महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध और नशे पर लगाम लगाना हमारा सीधा फोकस है। बीकानेर सीमावर्ती इलाका होने के कारण सतर्कता अधिक बरती जाएगी। राज्य सरकार का भी यही ध्येय है। पुलिस को लगातार ट्रेनिंग करने की आवश्यकता होती है। डीजीपी राजीव शर्मा ने बीकानेर प्रवास के दौरान संपर्क सभा में साथियों को बताया है कि आम आदमी के साथ हमारा किस तरह का व्यवहार होना चाहिए।

पति ने पत्नी की हत्या कर शव खेत में फेंका, थाने पहुंचकर सरेंडर किया

हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ, आरोपी पति हरप्रीत हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। एक पति ने पत्नी की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया। इतना ही नहीं मर्डर के दो घंटे बाद थाने पहुंचा और सरेंडर कर बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। मामला जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र में गुरुवार का है। हालांकि हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन, पुलिस ने आरोपी पति हरप्रीत को हिरासत में ले लिया है।

- **प्रारंभिक जानकारी में आपसी विवाद के चलते ही पति के पत्नी की हत्या करने की आशंका जताई जा रही है**

पुलिस के अनुसार दो अप्रैल को दोपहर करीब 1:15 बजे हरप्रीत सिंह निवासी 8 डीडब्ल्यूडी थाना दंतौर, खाजूवाला थाने पहुंचा। यहां बताया कि उसने अपनी पत्नी जसवीर कौर की हत्या कर दी है। आरोपी ने बताया कि पत्नी का शव चक 9 डीडब्ल्यूडी के एक खेत में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो जसवीर का शव झाड़ियों के बीच पड़ा था। इसके बाद एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया और घटनास्थल से सबूत शामिल किए।

घटना के समय डिप्टी अमरजीत चावला व थानाधिकारी सुरेंद्र प्रजापत बीकानेर में महानिदेशक पुलिस की संभाग स्तरीय बैठक में गए हुए थे। सूचना मिलने के बाद दोनों अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। लेकिन प्रारंभिक जानकारी में आपसी विवाद के चलते ही पति के पत्नी की हत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

डार्क जोन में चल रही वाटर कंपनी को फिर मिला कोर्ट का नोटिस

अलवर, (निसं)। अवैध रूप से अलवर के डार्क जोन आलापुर गांव में चल रही एक्वाफिल वाटर फैक्टरी को कोर्ट नोटिस तामील नहीं करने पर दूसरा नोटिस जारी किया है और कंपनी को 28 अप्रैल को अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया है अगर कंपनी संचालक कोर्ट में हाजिर नहीं हुए तो कोर्ट एक तरफा फैसला सुना सकती है जबकि इसी संदर्भ में जिला कलैक्टर को मिले सम्मन की तामील होने के कारण उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया है।

- **आलापुर गांव में चल रही कंपनी के संचालक को 28 अप्रैल को अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया**

जिले की माचडी पंचायत समिति के अलापुर गांव में ग्रामीणों के विरोध के बावजूद अपने रसूख पर चल रही एक्वा फिल वाटर फिल्टर कंपनी ओर जिला कलैक्टर को न्यायालय ने नोटिस जारी किए हैं, जिसकी पेशी 28 मार्च को थी।

गौरतलब है कि अलापुर गांव डार्क जोन में है, यहा पानी की हमेशा से समस्या बनी हुई है। वहीं खसरा नम्बर 1128-613 और खसरा संख्या 1130-614 की जमीन पर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश की एक्वाफील्स ट्रैडस प्रा.लि. ने पानी फिल्टर करने की कंपनी लगा दी जिसका वहां के ग्रामीणों ने विरोध किया, लेकिन उनके विरोध पर जिला प्रशासन ने कोई संज्ञान नहीं लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि वे दो बार जिला कलैक्टर से भी इस विषय पर मिले कि अगर यह कंपनी यहां बनी तो हमारा सारा पानी सौख लेगी, लेकिन ग्रामीणों के प्रार्थना पत्र पर जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की, आखिर में ग्रामीणों ने अदालत की शरण ली।

ग्रामीणों ने एक वाद समाजसेवी जसवंत सिंह वगैरह ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट- 2 की अदालत में दायर की वाद पर न्यायालय ने एक्वाफील्स कंपनी और जिला कलैक्टर को नोटिस जारी किए हैं।

समाजसेवी जसवंत यादव ने बताया है कि अलापुर डार्क जोन में आता है यहां पीने के पानी तक की समस्या है। ऐसे में इस कंपनी के लग जाने से कृषि प्रभावित हो रही है क्योंकि यहां लगे दर्जनों पंप रोजाना जमीन से जल का दोहन कर रहे हैं जिससे हमारे खेतों में लगे पंपों का पानी सूखने लगा है, अगर समय रहते सरकार ने इस पर कार्यवाही नहीं की तो ग्रामीणों को यहां से पलायन करना पड़ सकता है।

हथियार के साथ दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रिजर्व पुलिस लाइन का हैड कांस्टेबल और जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ पंचायत समिति का एलडीसी अवैध हथियार के साथ पकड़े गए हैं। पुलिस नाकाबंदी में इनके पास से 12 बोर गन और कारतूस मिले हैं। फिलहाल पुलिस अब इनसे पूछताछ में जुटी है। डांगियावास पुलिस इनसे पड़ताल कर रही है। ऑर्म्स एक्ट में केस बनाया गया है।

थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि बुधवार को पुलिस थाने के सामने नाकाबंदी की गई थी। तब एक गाड़ी में सवार दो लोगों को पकड़ा गया। इनके पास में 12 बोर गन और कारतूस मिले। जिस पर पूछताछ में पता लगा कि एक व्यक्ति जैसलमेर के सांगड़ स्थित पूनासर देवी कोट का अमीन खां पुत्र रमजान खां है, जोकि रिजर्व पुलिस लाइन में हैड कांस्टेबल के पद कार्यरत है। वहीं दूसरे व्यक्ति ने खुद को जैसलमेर के नाचना निवासी और हाल मोहनगढ़ पंचायत समिति का एलडीसी होना बताया है। यह लोग हथियार लेकर किस तरफ जा रहे थे, इस बारे पता लगाया जा रहा है। गन और कारतूस के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

तस्करी में वांटेड 25 हजार इनामी अपराधी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट जिला पश्चिम में ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में गुरूवार को डीएसटी वेस्ट में जीआरपी थाने में वांटेड 25 हजार के इनामी आरोपी को पकड़ा है। वह पांच साल से मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरण में राजकीय रेलवे पुलिस का वांटेड था। उसे अब जीआरपी को सौंपा गया है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत ने बताया कि जिला पश्चिम की तरफ से ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा है। इस कड़ी में जिला पश्चिम की डीएसटी प्रभारी एसआई महेंद्र सिंह को मुखबिरी सूचना मिली कि रेलवे पुलिस थाने के मादक पदार्थ तस्करी का एक वांटेड जोधपुर आया हुआ है। इस पर डीएसटी वेस्ट के एएसआई गजेंद्र, हैड कांस्टेबल गंगासिंह, सायबर सैल के हैड कांस्टेबल प्रेम चौधरी, डीएसटी के कांस्टेबल राजूसिंह, प्रेम, जगदीश प्रसाद, राजूराम एवं रामूराम की टीम ने वांटेड बजरंग नगर जांबा निवासी रामस्वरूप उर्फ रामा मांजू को गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित हो रखा था और वह वर्ष 2021 में दर्ज एनडीपीएस एक्ट में फरारी काट कर रहा था।

प्रतिबंध के बावजूद राजकीय संपत्ति पर पोस्टर चिपकाए

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर में सार्वजनिक संपत्ति पर बिना अनुमति पोस्टर चिपकाने के कारण सूरजपोल थाना एवं भूपालपुरा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि उदयपुर शहर में किसी भी सार्वजनिक राजकीय संपत्ति पर बैनर एवं पोस्टर नहीं चिपकाने हेतु कई बार अपील के साथ सख्त कार्रवाई भी की गई है, लेकिन निगम द्वारा की गई अपील को नजरअंदाज करते हुए फिर से सार्वजनिक एवं राजकीय संपत्ति पर पोस्टर चिपकाए गए, जिससे शहर की खूबसूरती बिगड़ रही है। शहर के दुर्गा नर्सरी, टी आर आई तिराहा, कुम्हारों का भट्टा पुलिया के नीचे, फतह स्कूल दीवार, सूरजपोल के पास स्मार्ट कंप्यूटर्स आनंद प्लाजा द्वारा पोस्टर चिपकाये हुए थे। इसको लेकर पोस्टर चस्पा करने वाले के खिलाफ शहर के दो थानों में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिये एसआईसीसी की स्थापना होगी

जयपुर। राज्य सरकार के कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग द्वारा युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर्स की स्थापना की जा रही है। यह पहल भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यिमता मंत्रालय द्वारा संचालित एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें वैश्विक जॉब मार्केट के लिए सक्षम बनाना है।

भरतपुर कलैक्टर ने मौका मुआयना कर कुम्हेर में दो उपयुक्त स्थलों का चयन किया।

जयपुर में उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग, मेडिकल, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान/आईटीआई तथा आईटी एवं मैनेजमेंट संस्थानों की उपलब्धता के साथ-साथ प्रशिक्षित एवं शिक्षित युवाओं की बड़ी संख्या मौजूद है, जो वैश्विक रोजगार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जयपुर में एसआईसीसी की स्थापना की जा रही है, जो युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगा। इस हेतु जयपुर स्थित महात्मा गांधी शासन एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान (जेएलएन मार्ग) की उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग किया जाएगा। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा 16 मार्च को प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया जा चुका है तथा उनकी रिपोर्ट कौशल विकास एवं उद्यिमता मंत्रालय को प्रस्तुत कर दी गई है। केंद्र में मोदी सरकार के अनुमोदन उपरांत जयपुर में यह केंद्र इसी माह में स्थापित किये जाने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है।

वहीं जयपुर में एसआईसीसी स्थापना में भजनलाल सरकार की त्वरित कार्रवाई से प्रभावित होकर भारत सरकार द्वारा राजस्थान राज्य का दूसरा एसआईसीसी भरतपुर में स्थापित किये जाने का संकेत दिया है। इस हेतु भरतपुर जिला कलैक्टर कमर उल जमान चौधरी द्वारा दो अप्रैल को मौका मुआयना कर कुम्हेर में दो उपयुक्त स्थलों का चयन किया गया है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा रहा है तथा केंद्र सरकार के अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत यह केंद्र मई 2026 तक प्रारम्भ होने की संभावना है।